आतिशबाजी/पटाखे की दुकान

1. पटाखे की दुकान बनाने में ज्वलनशील सामग्री का उपयोग नहीं करें।
2. पटाखे की दुकानों के बीच सुरक्षित दूरी बना कर रखें।
3. केवल प्राधिकृत गुणवत्ता वाले पटाखे ही रखें।
4. दुकान के समीप किसी को भी पटाखे नहीं चलाने दें।
5. दुकान में मोमबत्ती, लाइटर, दियासलाई नहीं जलायें।
6. दुकान के अन्दर धूम्रपान नहीं करें।
7. दुकान में क्षतिग्रस्त या खुले हुए बिजली के तार का नहीं लगाएं।
8. पटाखे की दुकान के समीप बिजली के बल्बों और पटाखों के बीच सुरक्षित दूरी रखें।
9. स्थानीय फायर बिग्रेड द्वारा की गई सिफारिश के अनुरूप पानी की बाल्टी, रेत और अग्निशामक तैयार रखें।

आग की रोकथाम के लिए सावधानियां बरतें

आग लगने पर

101

नंबर पर डायल करें
या
अपने निकटतम अग्निशमन केंद्र से सम्पर्क करें

सत्यमेव जयते

महानिदेशालय, अग्नि सेवा, नागरिक सुरक्षा एवं होम गार्डस
भारत सरकार गृह मंत्रालय
पूर्वी खंड–VII, लेवल–7, आर. के. पुरम्, नई दिल्ली–110066
टेलीफैक्स : 011 26196370
ईमेल : dgcdfire@gmail.com
Website : www.ndrfandcd.gov.in

मुद्रक : कृति, नई दिल्ली

जनहित में जारी

पटाखे चलाने में सावधानियाँ

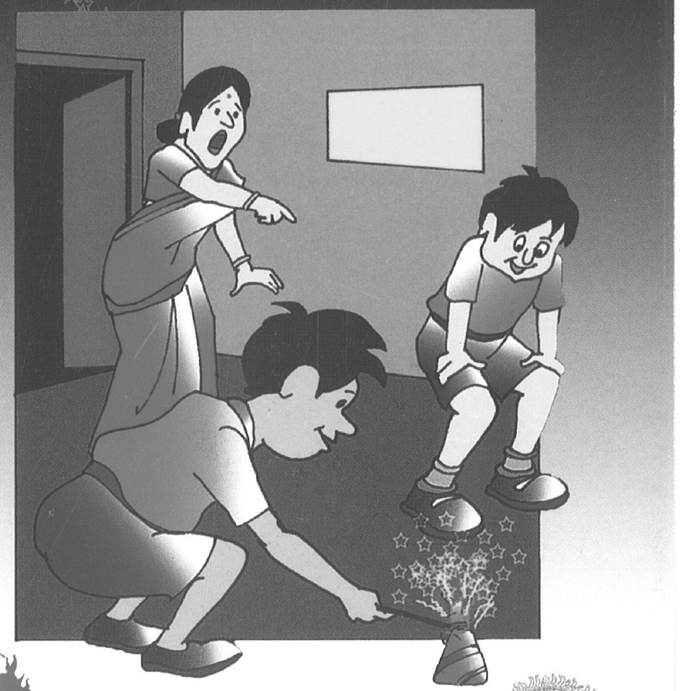

FIRE KILLS
YOU CAN PREVENT IT

WE SERVE TO SAVE

पटाखों से सुरक्षा

दिवाली, शादी और अन्य शुभ अवसरों पर आतिशबाजी की परम्परा है और ऐसा करना इन समारोहों का अभिन्न अंग है। लेकिन कई मामलों में सुरक्षा संबंधी सावधानियां बरते बगैर अंधाधुंध पटाखे चलाने से शुभ अवसर गमगीन अवसर में बदल जाते हैं और हंसी की जगह आंसू ले लेते हैं। कुछ सावधानियां और सुरक्षा संबंधी सतर्कता बरतने मात्र से इस प्रकार की दुर्घटनाओं से बचा जा सकता हैं और समारोह को और अधिक खुशनुमा और आनंददायक बनाया जा सकता है। आतिशबाजी करने और आतिशबाजी का सामान/पटाखे की दुकान चलाते समय नीचे दी गई सुरक्षा संबंधी कुछ सतर्कताएं बरतनी चाहिए।

क्या करें

1. आतिशबाजी के सामान पर लिखे अग्नि सुरक्षा संबंधी अनुदेशों और सावधानियों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
2. पटाखे चलाते समय हमेशा एक बाल्टी पानी और थोड़ा सा रेत पास में रखें।
3. प्रयोग में लाए जा चुकी/ बुझ चुकी फुलझड़ियों, रॉकेटों जैसी आतिशबाजी सामग्री को हमेशा ही पानी की बाल्टी या सूखी रेत में डाल दें।

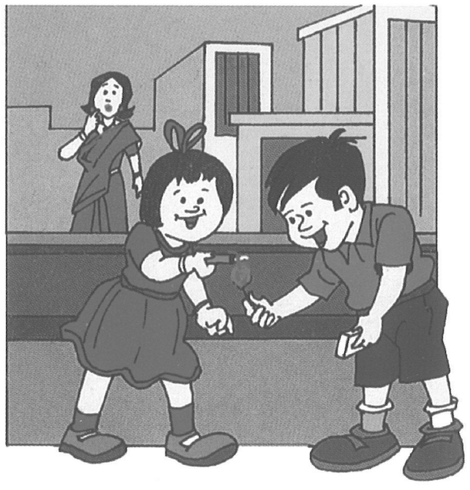

4. थोड़ी दूर से और अपने चेहरे को अलग हटाकर पटाखे जलाएं।
5. उड़ते हुए पटाखों को घर के भीतर आने से रोकने के लिए अपने घर की खिड़कियों और दरवाजों को ठीक से बन्द कर दें।
6. केवल मानक तरीके से बनाए गए पटाखों का ही उपयोग करें।
7. बच्चे जब पटाखे चलायें तब किसी बड़े का वहां उपस्थित रहना आवश्यक है।
8. खुले मैदानों और खुले स्थानों पर पटाखे चलाना सुरक्षित है। घास-फूस से बने घरों और घास-फूस के ढेरों के पास रॉकेट, फ्लावर पॉट्स और अन्य उड़ने वाले पटाखे नहीं छोड़ने चाहिए।
9. फुलझड़ी जैसे पटाखे को शरीर से अलग हटाकर जलाना चाहिए।

10. पटाखे चलाते समय कसे हुए सूती वस्त्र पहनें।
11. सुरक्षा के लिए जूता, चश्मा पहनें।
12. पटाखे चलाते समय बूढ़े लोगों, बच्चों और महिलाओं का ध्यान रखें।
13. यदि दुर्घटनावश आप जल जायें तो जले हुए स्थान पर तब तक ठंडा पानी डालते रहिए जब तक दर्द कम नहीं हो जाये और डॉक्टर को दिखायें।
14. जरूरत पड़ेने पर स्थानीय फायर ब्रिगेड की सहायता लें।

क्या सब नहीं करें

1. किसी सयाने व्यक्ति की अनुपस्थिति में बच्चों को कभी पटाखे नहीं जलाने दें।
2. अधजले पटाखे को दुबारा से कभी नहीं जलायें।
3. मकान के बिल्कुल सटकर पटाखे नहीं जलायें।
4. फर्श पर या पटाखे के समीप जलते तेल के दीये, अगरबत्ती या मोमबत्ती कभी नहीं छोडें।
5. मकान में या मकान के आस-पास कबाड़ या कोई अन्य ज्वलनशील वस्तु जमा नहीं करें।
6. घर के अन्दर कभी भी पटाखा नहीं चलाने दें।
7. चल रहे पटाखों के बीच कभी भी हाथ में फ्लावार पॉट्स एटम बम, लड़ी आदि नहीं रखें।
8. खतरनाक और तेज आवाज करने वाले पटाखों के पास कभी भी बच्चों को नहीं जाने दें।
9. पटाखे की दुकान के पास पटाखे कभी नहीं जलायें।
10. खुले स्थानों पर अंधाधुंध जले हुए पटाखे नहीं फेंकें।
11. अधजले पटाखों को दुबारा नहीं जलायें या उन्हें सही करने का प्रयास न करें।
12. बन्द डिब्बों में कभी भी पटाखे नहीं जलायें।
13. संकरी जगह पर रॉकेट नहीं चलाएं।